पंजीकृत संख्या 72/54–55 ।। वन्दे मातरम्।। Tel. 0141-2377799
Web site: www.rssrashtriya.org E- mail: rss.rashtriya@gmail.com

राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)

कार्यालय : 82, पटेल कॉलोनी, गवर्नमेन्ट प्रेस के पास, सरदार पटेल मार्ग, जयपुर–302001
संरक्षक : सर्वश्री नानक कुन्दनानी, संतोष चन्द्र सुराणा, श्यामसुन्दर शर्मा, चौथमल सनाढ्य, राजनारायण शर्मा
(Regd. & Recognised by Govt. & Affiliated to ABRSM, AIPTF, AISTF, E.I. & RRKM)

प्रहलाद शर्मा	देवलाल गोचर	अरविन्द व्यास
अध्यक्ष	सभाध्यक्ष	महामंत्री
मो. 94140–56109	मो. 94144–03756	मो. 94143–96596

प्रेस विज्ञप्ति

महिला शिक्षिकाओ के साथ पुलिस कर्मियों ने किया दुर्व्यवहार

पुलिस कर्मियों की बर्बरता से महिला शिक्षिकाएँ हुई चोटिल

चोटिल महिलाओ के प्रति भी प्रशासन ने नहीं दिखायी संवेदनशीलता– 4 शिक्षिकाएँ अस्पताल में भर्ती

शिक्षको का धैर्य टूटा और शिक्षक उतरे सडक पर

जयपुर। 02 अक्टूबर 2018 सरकार द्वारा शिक्षकों की माँगों को लेकर बरती जा रही संवादहीनता के विरोध में आज मंगलवार को गाँधी जयन्ती के अवसर पर राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के आव्हान पर हजारो शिक्षको ने शिक्षा संकुल के अन्दर एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन किया। संगठन द्वारा पिछले कई दिनो से उपशाखा, जिला एवं राज्य स्तर पर किये जा रहे सांकेतिक विरोध एवं धैर्य को कमजोरी मानकर की गयी संवादहीनता के कारण राज्य के शिक्षको में भयंकर आक्रोश है। अतः शिक्षा संकुल में एकत्र हुए शिक्षकों ने गाँधी सर्किल पर महात्मा गाँधी की प्रतिमा समक्ष मौन रूप में उपवास करने का निर्णय किया लेकिन पुलिस द्वारा शिक्षको के मौन एकत्रीकरण को शिक्षा संकुल से बाहर निकलने से रोकने के कारण पुलिस एवं आक्रोशित संगठन के कार्यकर्ताओ में झडप हो गयी। इसी दौरान पुलिस ने बर्बरता दिखाते हुए निहत्थे एवं मौन शिक्षकों पर अचानक लाठियॉ भाँजी और उनको बुरी तरह से कुचलने का प्रयास किया। इसी दौरान पुलिस कर्मियो द्वारा शिक्षकों एवं महिला शिक्षिकाओं पर बल प्रयोग के कारण कई महिलाओं सहित अनेक शिक्षक चोटिल हो गए। सीकर जिला महिला उपाध्यक्ष सुशीला रेवाड के सिर पर चोट आयी तथा कई महिलाओं एवं पुरूषों के पीठ, पैर एवं गर्दन पर गभ्भीर चोट आयी। पुलिस संवेदनहीनता दिखाते हुए निहत्थे शिक्षकों एवं महिला शिक्षिकाओं को पुरूष पुलिस कर्मियो ने गला दबाते हुए सडक पर घसीटा परन्तु घायल शिक्षिकाओ को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के स्थान पर बर्बरता दिखाती रही। संगठन के प्रदेशाध्यक्ष प्रहलाद शर्मा एवं महामंत्री अरविन्द व्यास मौन एकत्रिकरण का नेत्त्व कर रहे थे उनके साथ भी पुलिस ने धक्का मुक्की कर अपना खौफनाक उत्पीडन जारी रखा। इसी बीच शिक्षकों का धैर्य भी टूट गया और निवेदन के बाद भी गेट नही खोले जाने के विरोध में शिक्षक सडक पर ही बैठ गये। पुलिस के बल प्रयोग से उत्पन्न शिक्षको के जोश के आगे पुलिस द्वारा शिक्षा सकुंल का बन्द किया गया गेट भी खुल गया जिससे पुलिस के हाथ पाँव फूल गये।

मुख्य सडक पर आकर पुलिस प्रशासन द्वारा किये गये बल प्रयोग के विरोध में शिक्षको ने जोरदार प्रदर्शन किया तथा प्रदर्शन उपरान्त संगठन के प्रदेशाध्यक्ष प्रहलाद शर्मा, महामंत्री अरविन्द व्यास के नेतृत्व में हजारो शिक्षको ने गिरफतारियॉ देकर सरकार के समक्ष अपना विरोध प्रकट किया । इस आन्दोलनरत शिक्षकों ने जेएलएन मार्ग की व्यस्तम यातायात व्यवस्था को कतई रोकने का प्रयास नहीं कर शिक्षक की मर्यादा एवं गरिमा का परिचय दिया।

संगठन के प्रदेशाध्यक्ष प्रहलाद शर्मा एवं महामंत्री अरविन्द व्यास ने शान्ति पूर्वक तरीके से शिक्षको द्वारा किये जा रहे उपवास कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन द्वारा किये गये बल प्रयोग की निन्दा करते हुए दोषी पुलिसकर्मियों एवं प्रशासन के जिम्मेवार अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही करने की माँग की। पुरूष पुलिसकर्मियो द्वारा निहत्थी महिला शिक्षिकाओं के साथ अपराधी जैसा व्यवहार करने की भर्त्सना करते हुए उन्होंने कहा कि आज गाँधी जयन्ती के अवसर पर प्रदेश की महिला मुख्यमंत्री जहाँ गाँधी जी की प्रतिमा के समक्ष श्रद्धांजलि अर्पित कर रही है और शिक्षको का सम्मान जिला स्तर पर आयोजित करवा रही है, वहीं उन्हीं के शासन के पुरूष पुलिसकर्मियों द्वारा उसी गाँधी प्रतिमा के समक्ष उपवास की **माँग** कर रही निरीह महिला शिक्षिकाओं पर लाठीचार्ज एवं अमानवीय व्यवहार करना उनकी सरकार के दोहरे चरित्र का ज्वलन्त उदाहरण है। प्रदेशाध्यक्ष प्रहलाद शर्मा ने राज्य भर से आये हजारों उपस्थित शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि **सरकार की असंवेदनशीलता एवं हठधर्मी व्यवहार के कारण राज्य के शिक्षक आक्रोशित हैं। उन्होंने आज 2 अक्टूबर 2018 को गाँधी जयन्ती को जयपुर में गाँधी प्रतिमा के समक्ष प्रदेश के सभी जिलों से आये हजारों शिक्षकों द्वारा अहिंसात्मक तरीके से उपवास करने से रोकने को सरकार की संवेदनहीनता बताया।**

महामंत्री अरविन्द व्यास ने बताया कि संगठन द्वारा सभी श्रेणी के शिक्षकों की वेतन विसंगति, पुरानी पेंशन योजना लागू करने, काउन्सलिंग प्रक्रिया में समस्त रिक्त पद सात दिवस पूर्व दर्शाने, पंचायत राज मद के शिक्षकों को कोषालय द्वारा वेतन भुगतान करने, शेष रहे पैराटीचर्स, संविदाकर्मी को प्रबोधक बनाने व प्रबोधकों की पदोन्नति करने, विद्यालय समय को पूर्व की भांति रखने एवं संगठन को मान्यता प्रदान करने आदि प्रमुख माँगों सहित संगठन के प्राथमिक, माध्यमिक व संस्कृत शिक्षा की विभिन्न माँगों को लेकर 30 जुलाई 2018 को उपशाखा स्तर एवं 10 अगस्त 2018 को जिला स्तर तथा उसके पश्चात् प्रदेश स्तर पर धरना देकर कर सरकार को ज्ञापन दिया गया था। तत्पश्चात् भी सरकार द्वारा किसी प्रकार का सकारात्मक दृष्टिकोण नहीं अपनाया गया। इससे शिक्षकों में व्याप्त असंतोष के कारण संगठन ने आज के उपवास का निर्णय लिया है।

संगठन के तय कार्यक्रम के अनुरूप ही अतिरिक्त महामंत्री महेन्द्र लखारा एवं प्रदेश मंत्री अरूणा शर्मा के नेतृत्व में सैकडों शिक्षकों ने गाँधी प्रतिमा के समक्ष संगठन के आव्हान को पूर्ण करते हुए रामधुनि के साथ उपवास पर बैठकर संगठन के निर्णय की पालना की।

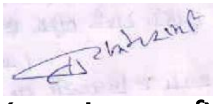

(ताराशंकर शर्मा)
मीडिया प्रभारी,
राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)